Roll No. ..... Total No. of Printed Pages : 4

B04-409

Fourth Semester Online Examination, May-June, 2022

M. A. HINDI

Paper IV

Hkkjrh; lkfgR;k - II

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : *(i) प्रत्येक इकाई में प्रत्येक प्रश्न का भाग अ एवं ब अतिलघूत्तरी प्रश्न हैं, जिनके उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए।*

*(ii) प्रत्येक प्रश्न के भाग स (लघूत्तरीय प्रश्न) (शब्द सीमा **150-200**) व भाग द (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) के उत्तर निर्देशानुसार शब्द सीमा (**300-350** शब्द) में दिये जाएँ।*

इकाई–I

1. (अ) मराठी साहित्य के दो नाटककारों के नाम लिखिए। 2

(ब) मराठी में 'अमरनाथ सनवड' नामक रचना किसकी है एवं इस रचना का साक्ष्य क्या है ? 2

(स) मराठी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन लिखिए। 4

अथवा

मराठी साहित्य में एकनाथ के योगदान की चर्चा कीजिए।

(द) स्वातंत्र्योत्तर मराठी भाषा के साहित्य में क्या परिवर्तन दिखाई देता है। विस्तार से प्रकाश डालिए। 12

अथवा

मराठी साहित्य के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

इकाई–II

2. (अ) मराठी भाषा की लिपि कौन-सी है तथा यह किस अपभ्रंश भाषा से विकसित हुई है ? 2

(ब) 'बखर' नामक गद्य रूप की रचना किस भाषा में हुई है ? 2

(स) 'हिन्दी' और मराठी एक वृक्ष के दो पुष्प हैं' संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 4

अथवा

मराठी नाट्य साहित्य की विवेचना कीजिए।

(द) मराठी साहित्य के विकास और महत्व का निर्देशन कीजिए। 12

अथवा

हिन्दी और मराठी भाषा में आधुनिकता बोध एवं प्रयोगवादी काव्य का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

इकाई–III

3. (अ) 'कोच्चि के दरख्त' के रचनाकार किस भाषा से संबंधित हैं ? 2

(ब) कोच्चि के दरख्त के हिन्दी अनुवादक कौन हैं ? 2

(स) 'कोच्चि के दरख्त' कविता के मूल कथ्य को लिखिए। 4

अथवा

कोच्चि के दरख्त में संकलित 'अयोध्या' और प्रतीक्षा नामक कविताओं का सार लिखिए।

(द) के.बी. शंकर पिल्लै के रचना वैशिष्ट्य का विस्तार से वर्णन कीजिए। 12

अथवा

'कोच्चि के दरख्त' के आधार पर शंकर पिल्लै की रस-योजना की समीक्षा कीजिए।

इकाई–IV

4. (अ) ह्यवदन का शाब्दिक अर्थ बताइये। 2

(ब) ''उसका हाथ जब हमें मेले से लाया था, तब उसका हाथ कितना रूखा और कड़ा था, पर अब छुआ तो लगा जैसे स्त्री का हाथ हो—इतना कोमल'' यह कथन किसका है ? 2

(स) गिरीश कर्नाड का रचना संसार लिखिए। 4

अथवा

ह्यवदन की रंगमंचीयता का वर्णन कीजिए।

(द) ह्यवदन नाटक के मूल कथानक पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

''क्या हम ह्यवदन नाटक को साहित्यिक रचना कला की अति सुन्दर कृति मान सकते हैं'' समीक्षा कीजिए।

❐ ❐ ❐ ❐ ❐ d ❐ ❐ ❐ ❐ ❐